

कहीं यह नहीं कहा गया है कि राजस्थान में कोई फासफैटिक फर्टिलाइजर का कारखाना लगाने का विचार है। क्या हम इस गति से काम करके खाद की समस्या का कोई हल निकाल सकते हैं ?

हम हर साल फासफैटिक फर्टिलाइजर के इम्पोर्ट पर बहुत बड़ी धनराशि खर्च करते हैं, जब कि हमारे देश में फारेन एक्सचेंज की कमी है। इसके बावजूद जिन रफ्तार से यह मंत्रालय काम कर रहा है उस से मुझे यह नहीं लगता है कि पांचवी क्या छठी पंच-वर्षीय योजना में भी राजस्थान में फासफैटिक फर्टिलाइजर का कारखाना लगाने के बारे में कोई कदम उठाया जा सकेगा। मैं मंत्री महोदय से यह निवेदन करना चाहता हूँ कि खाद के उत्पादन के मामले में जिस अर्जेंसी की जरूरत है, इस मंत्रालय के द्वारा उस अर्जेंसी से काम नहीं किया जा रहा है। मैं उनसे निवेदन करना चाहता हूँ कि उन्हें सदन को आश्वस्त करना चाहिये कि राजस्थान में सलादीपुरा में, जहाँ पाइराइट का बहुत भारी भंडार है, वहाँ पानी प्रचुर मात्रा में है और बिजली की कोई कमी नहीं है, ऐसी पंच-वर्षीय योजना के दौरान जल्दी ही खाद का कारखाना लगाया जायेगा।

यह राजस्थान का ही सवाल नहीं है। मैं यह बात किसी प्रान्तीय दृष्टिकोण से नहीं कह रहा हूँ। मैं राष्ट्र की अर्थ-व्यवस्था की दृष्टि से कहना चाहता हूँ कि राजस्थान ही ऐसा राज्य है, जिसमें फासफैटिक फर्टिलाइजर के उत्पादन के लिये सभी आवश्यक चीजें उपलब्ध हैं, और वे अकेले राजस्थान में ही हैं, उसके अलावा ऐसा कोई प्रान्त नहीं है।

सभापति महोदय: माननीय सदस्य अपना भाषण कल जारी रखे।

17.59 hrs.

BUSINESS ADVISORY COMMITTEE

FORTY-FIRST REPORT

THE MINISTER OF PARLIAMEN-
TARY AFFAIRS (SHRI K. RAGHU
RAMAIAH): Sir, I beg to present the
Forty-first Report of the Business
Advisory Committee.

18.00 hrs.

HALF-AN-HOUR DISCUSSION

FORGED CAR PERMIT CASE

SHRI JYOTIRMOY BOSU (Diamond
Harbour): I have to speak on this
racket of forged car permit. I have
in my possession documents and infor-
mation. Mr. Borooah looks almost
surprised; he knows all about it. This
racket is the creation of the Govern-
ment and the Government is the
author of this blackmarketing in motor
cars. What have you done? You
have created two classes of people.
One is the privileged and the other is
the non-privileged. The non-privi-
leged person even if he could muster
resources he will grow old before he
can think of a car. But for the privi-
leged class he jumps the queue and
there are no rules and regulations.
On a particular day, not in the dis-
tant past, the waiting list for Amba-
sador cars was 36039 and for Fiat it
was 51179. For scooters the figures
could not be contained in a foolscap
page. The present rule; that govern
the distribution of cars is as old as
1959, and the new cars till this date
have commanded a high premium
under the patronage of the Govern-
ment. The politicians of the ruling
party, officials and crooks started
prospering and thriving. They were
making hay while the sun was shin-
ing. Can you imagine that banks
went out of their way to give them
guarantee, of course for a bakshis. I
tell you Mr. Chairman that a single
bank undertook guarantee to the tune
of Rs. 14 lakhs. for the purchase of